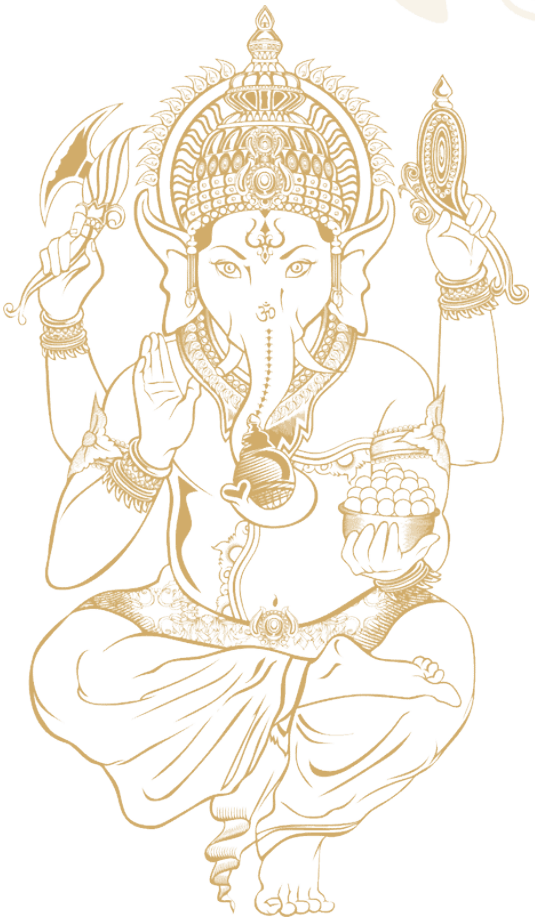

# Sagar Kartika

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121805009

| | | |
|---|---|---|
| पुल्लिंग | लिंग | स्त्रीलिंग |
| 02/10/1995 | जन्म तिथि | 07/09/1996 |
| सोमवार | दिन | शनिवार |
| घंटे 10:30:00 | जन्म समय | 17:40:00 घंटे |
| घटी 11:09:50 | जन्म समय(घटी) | 29:24:08 घटी |
| India | देश | India |
| Jabalpur | स्थान | Dewas |
| 23:10:00 उत्तर | अक्षांश | 22:59:00 उत्तर |
| 79:57:00 पूर्व | रेखांश | 76:03:00 पूर्व |
| 82:30:00 पूर्व | मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| घंटे -00:10:12 | स्थानिक संस्कार | -00:25:48 घंटे |
| घंटे 00:00:00 | ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| 06:02:04 | सूर्योदय | 06:10:02 |
| 17:57:07 | सूर्यास्त | 18:37:02 |
| 23:47:59 | चित्रपक्षीय अयनांश | 23:48:42 |

| विंशोत्तरी<br>शुक्र 6वर्ष 0मा 2दि | | अंश | राशि | ग्रह | राशि | अंश | विंशोत्तरी<br>गुरु 14वर्ष 2मा 16दि | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| राहु | | 13:40:06 | वृश्चि | लग्न | कुंभ | 04:09:43 | शनि | |
| 04/10/2024 | | 14:44:14 | कन्या | सूर्य | सिंह | 21:19:42 | 24/11/2010 | |
| 04/10/2042 | | 22:39:45 | धनु | चंद्र | मिथु | 21:29:22 | 24/11/2029 | |
| राहु | 17/06/2027 | 23:03:40 | तुला | मंगल | कर्क | 04:43:30 | | |
| गुरु | 09/11/2029 | 20:46:09 | कन्या व | बुध व | कन्या | 09:07:36 | शनि | 27/11/2013 |
| शनि | 15/09/2032 | 16:50:44 | वृश्चि | गुरु | धनु | 14:01:56 | बुध | 06/08/2016 |
| बुध | 05/04/2035 | 26:06:02 | कन्या | शुक्र | कर्क | 06:30:04 | केतु | 15/09/2017 |
| केतु | 22/04/2036 | 26:13:12 | कुंभ व | शनि व | मीन | 11:36:38 | शुक्र | 15/11/2020 |
| शुक्र | 23/04/2039 | 02:49:55 | तुला व | राहु व | कन्या | 14:25:52 | सूर्य | 28/10/2021 |
| सूर्य | 17/03/2040 | 02:49:55 | मेष व | केतु व | मीन | 14:25:52 | चन्द्र | 29/05/2023 |
| चन्द्र | 15/09/2041 | 02:44:02 | मक व | हर्ष व | मक | 07:15:11 | मंगल | 07/07/2024 |
| मंगल | 04/10/2042 | 28:58:36 | धनु व | नेप व | मक | 01:23:24 | राहु | 14/05/2027 |
| | | 04:49:35 | वृश्चि | प्लूटो | वृश्चि | 06:44:26 | गुरु | 24/11/2029 |

**लग्न-चलित**

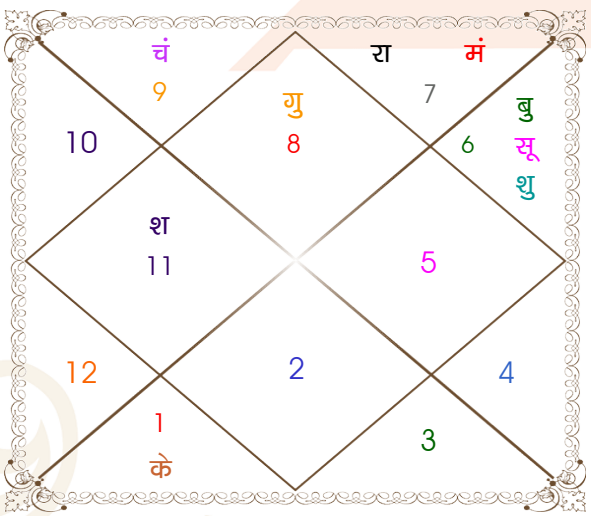


**लग्न-चलित**

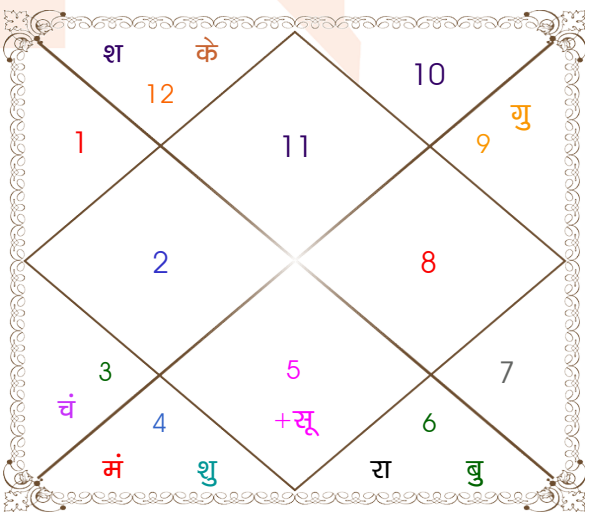

## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्ण | क्षत्रिय | शूद्र | 1 | 1.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | चतुष्पाद | मानव | 2 | 1.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | प्रत्यारि | साधक | 3 | 1.50 | -- | भाग्य |
| योनि | वानर | मार्जार | 4 | 2.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | गुरु | बुध | 5 | 0.50 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | मनुष्य | देव | 6 | 5.00 | -- | सामाजिकता |
| भकूट | धनु | मिथुन | 7 | 7.00 | -- | जीवन शैली |
| नाड़ी | मध्य | आद्य | 8 | 8.00 | -- | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 26.00 | | |

Sagar का वर्ग मूषक है तथा झंतजपां का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Sagar और झंतजपां का मिलान अत्युत्तम है।

## मंगलीक दोष मिलान

Sagar मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

**व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।**
**द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।**

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Sagar कि कुण्डली में द्वादश भाव में तुला राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।**
**न मंगली मंगल राहु योग।**

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Sagar कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

झंतजपां मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।**
**त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल झंतजपां कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Sagar तथा झंतजपां में मंगलीक मिलान ठीक है।

## निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।